एफटीए नेटवर्क से घटेगा व्यापार जोखिम

विकसित अर्थव्यवस्थाओं से बढ़ी साझेदारी : मंत्री गोयल

एफटीए के जरिए मजबूत हो रहा निर्यात ढांचा

श्री गोयल ने आगे बताया कि कनाडा के प्रधानमंत्री जल्द ही भारत आने वाले हैं. उम्मीद है कि उनकी इस यात्रा के दौरान कनाडा के साथ एफटीए वार्ता के लिए विषय वस्तु को अंतिम रूप दिया जा सकेगा और व्यापार वार्ता शुरू हो सकेगी. वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एफटीए के जरिये विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक व्यापारिक भागीदारियों के नेटवर्क का विकास व्यापार जोखिमों को कम करने की भारत की नीति का हिस्सा है.

चेन्नई, 25 फरवरी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि इस समय अनिश्चितता से जूझ रही दुनिया में भारत 'व्यापार, विश्वास और नये बदलावों के सेतु ' बना रहा है और मुक्त व्यापार समझौतों के जरिए जोखिम कम कर रहा है.

श्री गोयल यहां सीआईआई के 5वें राष्ट्रीय निर्यात प्रतिस्पर्धा शिखर सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के जरिए संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने हाल में कई उच्च- स्तर के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किये हैं जिनसे भारतीय उद्यमियों और निर्यातकों को वैश्विक व्यापार में लगभग दो-तिहाई हिस्सा रखने वाले बाजारों में माल अपने उत्पाद ले जाने के पहले से आसान अवसर मिले हैं.

वाणिज्य मंत्री ने ज़ोर दिया कि मोदी सरकार के दौर में जो नौ मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं वे सभी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ है और उनसे भारत की विकास की यात्रा में सहायता मिलेगी. कोई भी देश वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ जुड़े बिना विकसित नहीं बन सकता. वाणिज्य मंत्री ने इस अवसर पर भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार लाने, कार्यकुशलता बढ़ाने और परिवर्तन लाने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता को दोहराया.

श्री गोयल ने व्यापार समझौता वार्ताओं को गति देने पर सरकार के जोर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने आज छह घंटे के अंदर मुक्त व्यापार से जुड़ी तीन वार्ताओं में हिस्सा लिया. उन्होंने राजधानी नयी दिल्ली में आज छह सदस्यों वाली खाड़ी सहयोग परिषद के छह देशों के ग्रुप के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने के बाद , एफटीए वार्ता के लिए इज़राइल से आये एक दल के साथ मुलाकात की. उन्होंने बताया कि आज ही वह चिली के व्यापार मंत्री के साथ भी एक नए दौर के एफटीए को पूरा करने के लिए बातचीत करने वाले हैं जिसमें वहां से भारत को महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकती है.

एआई से मुनाफे पर टैक्स लगाने का सुझाव

नयी दिल्ली .एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है. यह तकनीक प्रोडक्टिविटी को नए स्तर पर ले जा रही है, लेकिन विशेषज्ञों की चेतावनी के अनुसार इसके चलते लाखों नौकरियों पर गंभीर असर पड़ सकता है. सिट्रीन रिसर्च के सह-लेखक अलाप शाह ने सरकारों से अपील की है कि एआई से होने वाले अतिरिक्त या असाधारण मुनाफे पर विंडफॉल टैक्स लगाने पर विचार किया जाए. उनका कहना है कि जैसे-जैसे कंपनियां कर्मचारियों की जगह एआई अपनाएंगी, लागत घटेगी, लेकिन इससे उपभोक्ता खर्च भी प्रभावित होगा. अमेरिकी और भारतीय बाजारों में पहले ही डिलीवरी, पेमेंट और सॉफ्टवेयर कंपनियों के शेयरों में बेचैनी देखी गई है.

भारत बनेगा वैश्विक विनिर्माण केंद्र

कुमारस्वामी बोले-इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए नये बाजार खुलेंगे

नयी दिल्ली, 25 फरवरी. भारी उद्यम मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार संधियों (एफटीए) से देश के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए नये बाजार खुलेंगे और भारत इस क्षेत्र में विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनेगा.

श्री कुमारस्वामी ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर फिक्की द्वारा यहां आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ई-मोबिलिटी की देश की यात्रा विकसित भारत की यात्रा के अनुरूप है. उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे विनिर्माण मजबूत होगा, निर्यात की क्षमता भी बढ़ेगी. पिछले एक दशक में वाहनों के कलपुर्जों का निर्यात आठ अरब डॉलर से बढ़कर 16.9 अरब डॉलर पर पहुंच

चुका है. यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती विश्वसनीयता को दर्शाता है. '

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ एफटीए से भारतीय निर्यातकों के लिए नये द्वार खुलेंगे. उद्योग को घरेलू बाजार के साथ निर्यात को मजबूत करने पर भी ध्यान देना चाहिये. उन्होंने कहा, 'विकसित भारत 2047 के एजेंडा में इलेक्ट्रिक परिवहन केंद्र में होगा. नीति की स्पष्ट दिशा और औद्योगिक भागीदारी से भारत खुद को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगा. '

उन्होंने देश में इलेक्ट्रिक परिवहन की बढ़ती लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक 28 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे जा चुके हैं. इनमें 20 लाख दुपहिया और तीन लाख तिपहिया वाहन शामिल हैं. तिपहिया में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी करीब 32 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश में इसके लिए विपणन के अवसर बढ़ रहे हैं.

मानेसर : इंडस्ट्रियल हब से रेजिडेंशियल हब की ओर

नई दिल्ली: दिल्ली के करीब गुरुग्राम में आईएमटी मनेसर को अब तक एक बड़े औद्योगिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था लेकिन अब यह दिल्ली-एनसीआर में सबसे तेजी से उभर रहे रिहायशी इलाकों में शामिल हो रहा है. करीब 1,750 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले मानेसर में 400 से ज्यादा इंडस्ट्रियल यूनिट्स हैं. इनमें हीरो मोटोकॉर्प, मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक, मारुति सुजुकी और डेंसो जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं. मानेसर में एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है और लगातार नई मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनियां भी यहां आ रही हैं. यही कारण है कि रोजगार के बढ़ते अवसरों के साथ-साथ मानेसर में अब रेजिडेंशियल यूनिट्स की मांग भी तेजी से बढ़ रही है. बेहतर सड़कों, औद्योगिक ढांचे और दिल्ली-एनसीआर से मजबूत कनेक्टिविटी के कारण यह इलाका निवेशकों और होम बायर्स के लिए आकर्षक बनता जा रहा है. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मानेसर में 500 एकड़ में एक बड़े एंटरटेनमेंट और एम्यूजमेंट कॉम्प्लेक्स का प्रस्ताव रखा है. यहां डिज्नीलैंड की तर्ज पर देश का पहला थीम पार्क बन सकता है. इन विकास योजनाओं के चलते आईएमटी मानेसर अब केवल औद्योगिक हब नहीं, बल्कि भविष्य का एक आधुनिक और संतुलित रिहायशी-व्यावसायिक केंद्र बनता दिखाई दे रहा है.

आबूरोड-तारंगा हिल नई लाइन परियोजना में तेजी

मंडल रेल प्रबंधक ने वडनगर व वरेठा स्टेशनों पर समीक्षा की

अहमदाबाद, 25 फरवरी. श्री वेद प्रकाश ने वडनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने रिले रूम, रूट रिले इंटरलॉकिंग , मास्टर केबिन, बुकिंग काउंटर, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म एवं कैफेटेरिया सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके.

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि वडनगर स्टेशन पर रेल डिब्बों में पानी भरने हेतु कोच वाटरिंग सिस्टम की व्यवस्था की जा रही है. इस सुविधा के शुरू होने से ट्रेनों में वडनगर स्टेशन से ही पानी भरा जा सकेगा, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा. इसके अतिरिक्त उन्होंने स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा स्टेशन के समीप स्थित रेलवे क्रॉसिंग को चौड़ा करने की उनकी मांग पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया. इस अवसर पर महेसाणा-वरेठा सेक्शन के वरेठा रेलवे स्टेशन पर अंबाजी नई लाइन परियोजना के अंतर्गत महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक कार्य के सफल समापन की जानकारी दी गई. यह कार्य आबूरोड-तारंगा हिल नई लाइन रेलखंड की भविष्य की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. वरेठा स्टेशन पर मुख्य लाइन पर स्थित पुराने डेड एंड ट्रैक को हटाकर नई एलाइनमेंट पर स्थानांतरित किया गया तथा उसे नई बिछाई गई लाइन से जोड़ा गया. संशोधित यार्ड लेआउट के अनुसार नई डेड एंड लाइन की भी व्यवस्था की गई है, जिससे भविष्य में तारंगा हिल दिशा में मुख्य लाइन विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा. यह समस्त कार्य दो दिवसीय ब्लॉक के दौरान सुरक्षित एवं योजनाबद्ध तरीके से संपन्न किया गया. इस दौरान रेल कटिंग, डेड एंड ट्रैक हटाना एवं शिफ्टिंग, नई लाइन से लिंकिंग, ग्लूड जॉइंट निर्माण, वेल्डिंग, बैलेस्टिंग, पैकिंग, क्रॉसओवर की मशीन टैम्पिंग तथा अन्य आवश्यक ट्रैक समायोजन कार्य किए गए.

हवाई अड्डा स्थापित करने चार परियोजनाओं की समीक्षा हुई

नयी दिल्ली, 25 फरवरी परियोजनाओं के त्वरित निर्धारण एवं कार्यान्वन के लिए विकसित पीएम गतिशक्ति अवधारणा के तहत नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) की 109वीं बैठक में असम में सिल्चर के डोलू में एक नया हवाई अड्डा स्थापित करने सहित कुल चार परियोजनाओं की समीक्षा की गयी.

इन परियोजनाओं में रेल मंत्रालय की जालंधर कैंट-जम्मू तवी स्टेशन के बीच प्रस्तावित तीसरी रेल लाइन तथा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों में मानिकपुर और इटारसी के बीच तीसरी रेल लाइन की परियोजना है तथा आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय की ओर से प्रस्तुत सूरत मेट्रो कॉरिडोर दो के प्रथम चरण के विस्तार की परियोजना शामिल है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अंतर्गत आने वाले पीएम गतिशक्ति के एनपीजी की इस बैठक में जालंधर कैंट-जम्मू तवी स्टेशन के बीच जिस तीसरी प्रस्तावित रेल लाइन की समीक्षा की गयी वह पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में 210.750 किलोमीटर तक फैली होगी. प्रस्तावित मार्ग में 27 स्टेशन होंगे और यह जालंधर, होशियारपुर, कांगड़ा, पठानकोट, कठुआ और सांबा जैसे प्रमुख जिलों से होकर गुजरेगी.

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

50.51 अंक पर पहुंचा सेंसेक्स

57.85 अंक की बढ़त पर रहा निफ्टी

मुंबई, 25 फरवरी. भारतीय शेयर बाजार आज मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ, जहाँ प्रमुख सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 50.15 अंक ऊपर 82,276.07 के स्तर पर रहा और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 57.85 अंक की बढ़त के साथ 25,482.50 पर बंद हुआ.

दोनों सूचकांक शुरुआत में मजबूत उछाल के साथ ट्रेड करते दिखे, लेकिन दिन के मध्य कारोबार में अधिकांश लाभ कुछ हद तक फर्जी लाभ निकालने और वैश्विक संकेतों के चलते कम हो गए. बाजार की शुरुआत मजबूत रही और सेंसेक्स एक समय पर लगभग 732 अंकों की बढ़त के साथ 82,957.91 तक उछला, जबकि निफ्टी 25,650 से ऊपर कारोबार करता दिखा. लेकिन दिन के दौरान निवेशकों ने मुनाफ़ा सुरक्षित करने के चलते कुछ बिकवाली की, जिससे सूचकांक अपने सत्र के उच्च स्तर से नीचे आ गए.

सेक्टोरल मोर्चे पर आईटी, मेटल और ऑटो शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जिससे बाजार को समर्थन मिला.

स्वदेशी पशु चिकित्सा तंत्र से हार्मोन उत्पादन को बढ़ावा

नयी दिल्ली, 25 फरवरी केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने देश में पशु चिकित्सा तंत्र को सुदृढ़ करने और महत्वपूर्ण पशु-चिकित्सा सामग्रियों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में मालूर स्थित फर्म बायोवेट प्रा.लि. को पशुओं के उपचार के लिए कुछ चिकित्सकीय हार्मोन के विकास और वाणिज्यिक उत्पादन की परियोजना के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत की है. विभाग के अनुसार यह सहायता उसके प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के जरिये स्वीकृत की गयी है.

पहला सैटेलाइट स्किल डिवेलपमेंट प्रोग्राम शुरू

जबलपुर, 25 फरवरी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और वायासैट इंडिया ने 'सैटेलाइट और सैटेलाइट तकनीक के अनुप्रयोग' पर अपना पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है.

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारत रत्न भीम राव अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग में प्रस्तावित दूरसंचार नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (टीआईआरटीसी) के तत्वावधान में शुरू किया गया है. सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्योग की तैयारी को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल और वायासैट इंडिया ने पिछले साल गठबंधन की घोषणा की थी.

प्रशिक्षण के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता बीएसएनएल के सीएमडी रॉबर्ट रवि ने की. वायासैट के अध्यक्ष (कॉमर्शियल) बेन पामर, वायासैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा, वायासैट के उपाध्यक्ष (एडवांस्ड एनटीएन सॉल्यूशंस) संदीप मूर्ति और दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारी भी संचार भवन में मौजूद थे.

सैटेलाइट एवं सैटेलाइट प्रौद्योगिकी के उपयोग पर यह प्रारंभिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों और करियर के शुरुआती दौर में काम कर रहे पेशेवरों के लिए 22 घंटे का एक वर्चुअल प्रोग्राम है.

फ्लाई 91 के बेड़े में शामिल हुए दो और विमान

दुबई, 25 फरवरी क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी फ्लाई91 के बेड़े में दो नये एटीआर72-600 विमान शामिल हुए जिनका इस्तेमाल एयरलाइन अपने नेटवर्क विस्तार के लिए करेगी. एयरलाइन ने बुधवार को बताया कि उसने ये विमान संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी दुबई एयरोस्पेस एंटरप्राइजेज से लिये हैं. औपचारिक तौर पर दोनों विमान यहां दुबई वर्ल्ड सेंट्रल में हुए एक समारोह में फ्लाई91 को सौंपे गये. कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अब उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर छह हो गयी है.

समाचार विशेष

60 साल लेफ्ट का गढ़, 2011 से तृणमूल का कब्जा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में चाहे सत्ता किसी भी दल की रही, लेकिन खरदाहा विधानसभा की जनता ने कभी वाम दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का साथ नहीं छोड़ा. दशकों तक इस सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली माकपा 2011 के बाद से जीत को तरस रही है.

यह आज वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का एक मजबूत किला है, लेकिन भाजपा के अलावा कांग्रेस और माकपा से मिल रही चुनौतियों ने इस बार ममता बनर्जी की धड़कनें भी बढ़ा दी हैं. जहां भाजपा और कांग्रेस पहली जीत तलाश रही हैं, वहीं माकपा पूरी ताकत के साथ वापसी करने की कोशिश में है.

हुगली नदी के पूर्वी किनारे पर बसा खरदाहा, पश्चिम बंगाल राज्य के उत्तर 24 परगना जिले का एक शहर और नगरपालिका है. यह कोलकाता महानगर विकास प्राधिकरण (केएमडीए) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र का एक हिस्सा है. प्रारंभ में खारदाह 1877 में स्थापित दक्षिण बैरकपुर और पश्चिम बैरकपुर नगरपालिकाओं का हिस्सा था. दक्षिण बैरकपुर नगरपालिका का नाम बदलकर 1920 में खारदाह नगरपालिका कर दिया गया. सियालदह-रानाघाट खंड पर एक रेलवे स्टेशन है, जो सोदेपुर और सुकचर (दक्षिण में) और टीटागढ़ (उत्तर में) के बीच स्थित है. रेलवे स्टेशन शहर को दो भागों में विभाजित करता है. पूर्वी भाग को रहारा के नाम से जाना जाता है, जबकि पश्चिमी भाग को खरदाहा के नाम से जाना जाता है. एस्प्लेनेड, हावड़ा स्टेशन और बारासात समेत कोलकाता के अलग-अलग हिस्सों से बसों का आवागमन स्थानीय लोगों के लिए इस क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था को संभाले रखता है.

खरदाहा उत्तर में टीटागढ़, पूर्व में पटुलिया और बांदीपुर, दक्षिण में पनिहाटी और पश्चिम में हुगली नदी से घिरा हुआ है. यह क्षेत्र घनी आबादी वाला और शहरी है.

अब तक 17 विधानसभा चुनाव हुए

राजनीति के लिहाज से खरदाहा की बात करें तो यहां अब तक 17 विधानसभा चुनाव हुए हैं. लगभग 60 सालों तक वाम दल को जीत मिलती रही और उसके बाद 2011 से तृणमूल कांग्रेस लगातार जीत रही है. 2021 में खरदाहा में काजल सिन्हा ने जीत हासिल की. हालांकि, उसी साल हुए उपचुनाव में टीएमसी से सोवनदेव चटोध्याय विधायक चुने गए.

चुनाव से पहले ममता ने चला दांव

भाजपा राज्यसभा सांसद अनंत महाराज को सर्वोच्च सम्मान बंगा विभूषण से नवाजा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा सियासी दांव चलते हुए भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद अनंत महाराज को राज्य के सर्वोच्च सम्मान 'बंगा विभूषण' से नवाजा है. राजनीतिक पंडितों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले लिया गया यह फैसला पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है और इसका सीधा मकसद उत्तर बंगाल के अहम मतदाताओं को साधना है.

सूत्रों के मुताबिक, ममता बनर्जी का यह कदम किसी के लिए बड़ा आश्चर्य नहीं है, क्योंकि वह पहले भी अनंत महाराज की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा चुकी थीं. वह अलग-अलग मौकों पर उनके संपर्क में रही हैं. इस सम्मान के पीछे का असल कारण राजवंशी समुदाय के मतदाता हैं, जिनका आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ा प्रभाव रहने वाला है. पश्चिम बंगाल में राजवंशी समुदाय अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व करता है और मुख्य रूप से उत्तरी बंगाल के कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में केंद्रित है.

उत्तरी बंगाल में इस समुदाय की आबादी लगभग 30त्न है, जो कई विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव परिणामों को पलटने की ताकत रखती है.

बड़े वोटबैंक को पाले में लाने की कोशिश- राज्यसभा सांसद अनंत महाराज इसी राजवंशी समुदाय से आते हैं और उनका अपने लोगों के बीच एक बड़ा जनाधार है.

ममता बनर्जी ने उन्हें यह सम्मान देकर सीधे तौर पर इस बड़े वोट बैंक को टीएमसी के पाले में लाने की कोशिश की है, जिससे आगामी चुनावों में बीजेपी को तगड़ा नुकसान पहुंचाया जा सके. उत्तर बंगाल में राजवंशी को एक बेहद महत्वपूर्ण 'स्विंग समुदाय' माना जाता है.

बीजेपी ने 2024 में अपनाई थी यही टैक्टिक

आम तौर पर भारतीय जनता पार्टी ऐसी रणनीति अपनाती है. केंद्र की मोदी सरकार ने 2024 लोकसभा चुनाव से पहले लाल कृष्ण आडवाणी और एमएस स्वामीनाथन के साथ पूर्व कांग्रेस नेता पीवी नरसिम्हाराव, बिहार में कर्पूरी ठाकुर और उत्तर प्रदेश में चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर ऐसा ही दांव चला था.

एक होंगे अकाली दल के दोनों गुट!

चंडीगढ़. पंजाब के सियासी गलियारों में अब शिरोमणि अकाली दल के दोनों गुटों के फिर से एक होने की चर्चाएं तेज हो गई हैं. यह कयास तब लगने शुरू हुए जब बागी गुट के वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह चंदूमाजरा और सुरजीत सिंह रखड़ा की मुलाकात अकाली दल के दिग्गज बिक्रम सिंह मजीठिया से हुई.

चंडीगढ़ अदालत में इन नेताओं के बीच दिखी आपसी गर्मजोशी ने राजनीतिक पंडितों को नए समीकरणों पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है. दरअसल, ये तीनों प्रमुख नेता आज चंडीगढ़ जिला अदालत में एक पुराने मामले की सुनवाई के सिलसिले में पेश होने पहुंचे थे. यह मामला साल 2021 से जुड़ा है, जब अकाली दल ने पंजाब के मुख्यमंत्री के आवास के नजदीक जोरदार प्रदर्शन किया था. इसी विरोध प्रदर्शन को लेकर चंडीगढ़ के सेक्टर-3 पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया था, जिसकी सुनवाई के लिए आज सभी नेता वहां एक साथ उपस्थित हुए थे.

अदालत परिसर में जब प्रेम सिंह चंदूमाजरा और बिक्रम सिंह मजीठिया का आमना-सामना हुआ, तो चंदूमाजरा ने उन्हें 'माझे दे जरनैल साहब' कहकर संबोधित किया. इसके बाद दोनों नेता भीड़ से अलग एक कोने में जाकर बातचीत करने लगे. थोड़ी ही देर में सुरजीत सिंह रखड़ा भी उनके साथ शामिल हो गए. तीनों नेताओं के बीच काफी देर तक हंसी-मजाक और बेहद गर्मजोशी के साथ लंबी बातचीत का सिलसिला चलता रहा, जिसने सबको चौंका दिया.

चंदूमाजरा और रखड़ा ने सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व से नाराज होकर विद्रोह किया था और 'शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत)' नाम की नई पार्टी बनाई थी.

एकता कायम करने की हरसंभव कोशिश

पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है. अकाली दल ने भी नए चेहरों की तलाश के साथ-साथ रूठे हुए नेताओं को मनाने की कवायद तेज कर दी है. पार्टी नेतृत्व अच्छी तरह जानता है कि अगर 2022 की तरह इस बार भी बिखराव हुआ, तो भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है. इसलिए चुनाव से पहले पार्टी में एकता कायम करने की हरसंभव कोशिश की जा रही है. दूसरी तरफ अकाली दलों का एका विरोधी पार्टियों के लिए चिंता का सबब बन सकता है.

विशेष | **पार्टी के अंदर नए और पुराने नेताओं की खींचतान फिर शुरू हो गई है.**

कांग्रेस के पुराने नेताओं में राज्यसभा की होड़

नई दिल्ली. राज्यसभा चुनाव की घोषणा हो गई है और 26 फरवरी से नामांकन शुरू हो जाएगा. 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव होंगे, इसमें से कांग्रेस की पांच सीटें खाली हो रही हैं और उसको पांच सीटें मिल जाएंगी.

अब सवाल है कि कांग्रेस के जो सांसद रिटायर हो रहे हैं क्या उनमें से कोई रिपीट होगा या सभी नए चेहरे राज्यसभा जाएंगे? इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं है. लेकिन यह दिख रहा है कि पार्टी के अंदर नए और पुराने नेताओं की खींचतान फिर शुरू हो गई है. राहुल गांधी के करीबी और उनकी टीम के नए नेता राज्यसभा जाएंगे या पुराने नेताओं को भेजा जाए, इसकी बहस चल रही है. राहुल की टीम के नेता इस बार तपस्या में कोई कमी नहीं रख रहे हैं. कहा जा रहा है कि राहुल की टीम की मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा जाना तय हैं. उनके अलावा कृष्णा अल्लावरू, के राजू, पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, अलका लांबा, जितेंद्र सिंह, हर्षवर्धन सपकाल और कन्हैया कुमार मजबूत दावेदार बताए जा रहे हैं. इनमें से कुछ लोग मई में होने वाले दूसरी चरण के चुनाव में भी उच्च सदन जा सकते हैं.

हरियाणा में कांग्रेस के सामने संकट

कांग्रेस को एक सीट हरियाणा में मिलेगी. लेकिन वहां भी कांग्रेस के सामने संकट यह है कि अगर उम्मीदवार भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पंसद का नहीं हुआ या बाहरी हुआ तो मुश्किल आएगी. पहले वहां से अजय माकन और आरके आनंद चुनाव हार चुके हैं. इस बात पर मंथन चल रहा है कि दलित, ब्राह्मण या जाट को भेजा जाए. प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र जोर लगा रहे हैं लेकिन पिछले दिनों कांग्रेस में वापसी करने वाले अशोक तंवर भी पीछे नहीं हैं. हालांकि अंतिम फैसला हुड्डा पिता-पुत्र को करना है. कांग्रेस एक सीट के लिए एमके स्टालिन के पास गुहार लगा रही थी लेकिन अब लग रहा है कि वे डीएमडीके से तालमेल करने के बाद उसकी नेता प्रेमलता विजयकांत को भेजेंगे.